

प्रेषक

पी०सी० शासी
सचिव
उत्तरायण शासन।

रोका में

निदेशक
नागरिक उद्योग
उत्तरायण देहरादून।

नागरिक उद्योग विभाग

देहरादून: दिनांक: 1- फरवरी, 2005

विषय- 01- वेतन में घनराशि का पुनर्विनियोजन द्वारा स्वीकृति।

महादीप

उपरोक्त विषयक पूर्व निर्गत शासनादेश संख्या-373/59-सत्रावन/बजट/ स0ना030/2004-05 दिनांक 18 अगस्त 2004 के कम में नुड़े यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त शासनादेश दिनांक 18 अगस्त 2004 द्वारा मानक मद 01-वेतन में आपाटित कृत रूपये 10.00 लाख की घनराशि कम पढ़ने के जारण अतिरिक्त रूपये 6.00 लाख (रुपये पाँच लाख मात्र) की घनराशि रालन्न वी0एम-15 के प्रयोग के विवरणानुसार अनुवान-तर्गत उपलब्ध बदलते से पुनर्विनियोग करके याप हेतु वी राज्यपाल आपके निर्वतन पर इस प्रतिबन्ध के साथ रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि गिरत्यायता की मदों में आवटित सीमा तक ही याप सीमित रखा जायेगा।

2- शेष शर्ते पर्याप्तिवन्ध शासनादेश संख्या- 373/59-सत्रावन/बजट/ स0ना030/2004-2005 दिनांक 18 अगस्त, 2004 के अनुरूप ही रहेंगे।

3- उक्त मदों में व्याप उत्तरानुसार आवटन की सीमा में ही सीमित रखा जायेगा।

4- व्याप उन्हीं मदों में विद्या जायेगा जिनमें आव यह आवंटन किया जा रहा है।

5- इस रामबन्ध ने होगे पाता व्यब चर्तमान वित्तीय कर्व 2004-2005 के अनुदान संख्या-24 के लेखाशीषक 3063 नागर विभाग 00-सामाज्य-आयोजनेतर-003- प्रशिक्षण तथा शिक्षा-03 नागरिक उद्योग- 00- के अन्तर्गत रालन में उल्लिकारण विवरणानुसार सुसागत प्राथमिक इकाईयों को नामे ढाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अनुलक्षित संख्या- 588/विभाग-3/2004 दिनांक 23 फरवरी, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

महादीप,

(पी०सी० शासी)
सचिव

संख्या-700 / 69-सत्रावन/बजट/स0ना030/2004-2005, सम्बिन्दित

प्रतिलिपि विभगलिखित की सूचनार्थे एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1- महालेखाकार, उत्तरायण, ओवरीय मोटर विल्डिंग, गाजरा, देहरादून।

2- यरिक योगाधिकारी, देहरादून।

3- वित्त अनुभाग-3

4- गार्ड बूक।

5- एनआईसी, सचिवालय।

आज्ञा से,

(पी०सी० शासी)
सचिव

आय व्ययक पपत्र-15 पुर्वविनियोग-2004-2005 (लाख में)

आयोजनेतर से आयोजनागत

निपन्नक अधिकारी, सचिव, नागरिक उद्योग, उत्तराचल शासन, प्रशसनिक विभाग, अनुदान संख्या-24
(रूपये हजार में)

बजट प्राविधान तथा होस्टाइंगक का दिवापन	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की रोप अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष सरप्लस घनराशि	लेखाशीर्षक जिरार्थ घनराशि स्थानान्तरित किया जाना है	पुर्वविनियो ग के बाद स्तम्भ-5 की कुल घनराशि	पुर्वविनियो ग के बाद स्तम्भ-1 की अवशेष घनराशि	अन्युवित
1	2	3	4	5	6	7	8
153-नागर विभाग- 80 प्रावित आयोजनाएँ-003 दिवापन तथा विवाह 3-नागरिक उद्योग-00 जा. भत्ते				303-नागर विभाग- 80-सामान्य- नागरिकपेत्र-003 अधिकार तथा विवाह 03 नागरिक उद्योग-01-विवाह			(क) आवश्यकता न होने के कारण (ख) आवश्यकता अधिक प बचाट प्राविधान पर्याप्त न होने के कारण
12.80	2.52	4.98	6.00 (क)	6.00(ख)	15.00	7.80	
12.80	2.52	4.98	5.00	5.00	15.00	7.50	

प्रमाणित किया जाता है कि पुर्वविनियोग से बजट मैनुअल के परिणाम 150, 151, 15, 156 में उल्लिखित प्राप्तियाँ एवं रीमाउं
ए। उल्लंघन नहीं होता है।

(पी०सी०शमा)
सचिव।

वित्त विभाग
वित्त अनुभाग-3
उत्तराचल शासन।

संख्या- 588 / XXXVII / (3)2005, दिनांक 28-2-2005

पुर्वविनियोग स्वीकृत
(पी०सी० शमा)
अपर सचिव वित्त

महालंखालपार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराचल
ओवेश्य मोटर बिल्डिंग, मालारा, देहरादून।

संख्या-7070 / 69-सातारन/बजट/स0ना070/2004-2005, समादानीकरण

प्रतिलिपि लिमलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
1- विशिष्ट कोषाधिकारी, देहरादून।
2- वित्त अनुभाग-3

आज्ञा से

(पी०सी० शमा)
सचिव